तू ठाढा तेरी शक्ति ठाढी भैरव जी बलकारी

तू ठाढा तेरी शक्ति ठाढी,
भैरव जी बलकारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रहया सै भारी।bd।

तर्ज – मेहन्दीपूर म्ह संकट कटता।

धूप पडी़ चाहे पाला पड़या मनै,
सेवा करी दिन रात तेरी,
करणी का फल आया कोन्या,
लूटगी करी खूभात मेरी,
बिगडी़ जा सै जात मेरी,
इब जिन्दगी लाग्गै खारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रहया सै भारी।bd।

जाग नीन्द तै आँख खोलले,
मतन्या सोवै ओ बाबा,
काया के म्ह संकट बैरी,
तीर चूभोवै ओ बाबा,
तेरी बदनामी होवै हो बाबा,
क्यों ना बात विचारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रहया सै भारी।bd।

भूत प्रेत नै तोड़ण आले,
अकड़ तेरी आज टूटैगी,
करी ना सूणाई मेरी बात पै,
बात या सारै फूटैगी,
साँस मेरी आज छूटैगी,
तेरे दर पै मार कटारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रहया सै भारी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भरदे मटका खाली हो,
चरणां के म्ह झूक्या गजेन्द्र,
आज राखदे लाली हो,
जीवन म्ह घणी काल्ली हो जब.,
दूख पावै घर बारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रह्या सै भारी।bd।

तू ठाढा तेरी शक्ति ठाढी,
भैरव जी बलकारी,
तेरे सेवक पै संकट बैरी,
क्यों पड़ रह्या सै भारी।bd।

लेखक / प्रेषक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लणीया।
9996800660
गायक – लक्की पिचौलिया।
9034283904

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com